



बरेली, सोमवार
28 सितंबर, 2026

नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

PAGE NO III : MIDDLE



रिद्धिमा में नाटक मंचन करते कलाकार • सौ. आयोजक

‘पुरुषमेध’ में दिखा सत्ता, परंपरा व मनुष्य के अस्तित्व का संघर्ष

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम नाटक ‘पुरुषमेध’ का मंचन हुआ। यह नाटक पुरुरवा के संघर्ष को केंद्र में रखकर व्यवस्था और विद्रोह के बीच के तनाव को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है।

कथा युवराज पुरुरवा के राज्याभिषेक की तैयारी से शुरू होती है, लेकिन वह परंपरागत राजसत्ता और धार्मिक कर्मकांडों को स्वीकार करने से इन्कार कर देता है। पुरोहितों और कश्यप के साथ उसका टकराव इसी वैचारिक संघर्ष को उजागर करता है। ये पुरोहित इंद्र से मिलकर पुरुरवा के खिलाफ षड्यंत्र करते हैं। महर्षि वशिष्ठ पुरुरवा के विचारों का समर्थन करते हैं। इला अपने

अस्तित्व को छिपाए जाने और स्त्री पहचान के अस्वीकार के खिलाफ प्रश्न उठाती है। दूसरी ओर, देवराज इंद्र स्थापित सत्ता के प्रतिनिधि के रूप में सामने आते हैं। पुरुरवा का यज्ञ-विधान में परिवर्तन, जनता को अधिकार देने और शोषणकारी व्यवस्था के विरोध का प्रयास इंद्र की सत्ता के लिए चुनौती बन जाता है। प्रसिद्ध साहित्यकार दूधनाथ सिंह लिखित नाटक का निर्देशन अंबुज कुकरेती और विनायक कुमार श्रीवास्तव ने किया। अवसर पर ट्रस्ट संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार आदि उपस्थित रहे।